हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, मंगलवार 23 दिसंबर 2025

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

श्री निवास रामानुजन के जन्म दिवस राष्ट्रीय गणित दिवस पर दो दिवसीय कार्यक्रम आयोजित

भुआबिछिया। शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर मा. विद्यालय भुआबिछिया में मध्य प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद की लोक व्यापीकरण योजना के अंतर्गत महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन के जन्म दिवस पर राष्ट्रीय गणित दिवस पर दो दिवसीय कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया, जिसमें सर्वप्रथम मां सरस्वती एवं श्रीनिवास रामानुजन के तेलचित्र पर प्राचार्या श्रीमती अरुणा दीक्षित द्वारा माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। इस अवसर पर कार्यक्रम समन्वयक श्रीमती आरती मोदी गणित शिक्षिका द्वारा श्री रामानुजन के जीवन पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। दो दिवसीय आयोजित इस कार्यक्रम में प्रथम दिवस मध्यप्रदेश विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद भोपाल के ऑनलाइन कार्यक्रम उज्जैन में सहभागिता की गई एवं विद्यार्थियो को श्री निवास रामानुजन के जीवन पर आधारित लघु फिल्म दिखाई गई कार्यक्रम में विभिन्न गतिविधियों जैसे चित्रकला, निबंध लेखन, प्रश्न मंच एवं अंक पहेली का आयोजन किया गया। जिसमें प्रथम द्वितीय एवं तृतीय विजेताओं को प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार वितरण एवं सभी सह भागियो को सांत्वना पुरस्कार भी दिए जाएंगे।

बच्चों को घर से लाना पड़ रहा टिफिन, शौचालय की विकट समस्या

पानी नहीं तो बंद किया मध्यान्ह भोजन

*** पोर्टल पर फर्जी उपस्थिति दर्ज करने का आरोप।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

जिला मुख्यालय के समीप स्थित माध्यमिक शाला आईटीआई में जहां करीब 128 बच्चे दर्ज हैं। बीते माह जुलाई से पीने के पानी की गंभीर समस्या बनी हुई है। जानकारी के अनुसार, स्कूल बंद रहने के दौरान सड़क निर्माण कार्य के चलते स्कूल की जलापूर्ति पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो गई थी, जिसके बाद से स्कूल में पानी की सप्लाई पूरी तरह बंद है। बीच में बीआरसी द्वारा पीएचई की टीम के साथ मौके में जाकर सुधार कार्य कराया गया था किन्तु फिर रोड़ निर्माण कार्य द्वारा पाइपलाइन छतिग्रस्त कर दी जिससे आज यह समस्या बन हुई है।

विद्यालय प्रबंधन द्वारा ग्राम पंचायत, पीएचई विभाग एवं संबंधित विभागीय अधिकारियों को कई बार शिकायत किए जाने के बावजूद अब तक समस्या का समाधान नहीं हो सका है। पानी की अनुपलब्धता के कारण स्कूल में लंबे समय तक रसोईया द्वारा बाहर से पानी लाकर मध्यान्ह भोजन तैयार किया जा रहा था।

लेकिन 17 दिसंबर 2025 से जिस स्थान से पानी लाया जा रहा था, वहां का नल भी खराब हो जाने के कारण विद्यालय में मध्यान्ह भोजन पूरी तरह बंद हो गया है। इसके चलते स्कूल प्रबंधन द्वारा सभी विद्यार्थियों को सूचित किया गया कि वे स्कूल आते समय अपना टिफिन और पीने का पानी स्वयं लेकर आएं।

विद्यालय में पानी नहीं होने से बच्चों को शौचालय उपयोग करने में भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

जब इस संबंध में स्कूल प्रबंधन से जानकारी ली गई तो बताया गया कि 17 दिसंबर 2025 से ऑनलाइन पोर्टल पर मध्यान्ह भोजन की स्थिति 'शून्य' दर्शाई जा रही है। हालांकि, सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार पोर्टल में 17 दिसंबर को 92 बच्चों, 18 दिसंबर को 102 बच्चों, 19 दिसंबर को 01 बच्चे तथा 20 दिसंबर को 01 बच्चे द्वारा भोजन प्राप्त किया जाना दर्ज है।

पोर्टल के आंकड़ों के अनुसार जहां स्कूल में नियमित रूप से मध्यान्ह भोजन बनता दर्शाया जा रहा है, वहीं जमीनी हकीकत में बीते कई दिनों से एक भी बच्चे को भोजन उपलब्ध नहीं कराया गया है। शासन के स्पष्ट निर्देश हैं कि कोई भी बच्चा भूखा न रहे और सभी विद्यार्थियों को मध्यान्ह भोजन योजना का लाभ मिले, बावजूद इसके विभागीय अधिकारियों को जानकारी होने के बाद भी समस्या का निराकरण नहीं किया गया।

इस मामले में जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि बच्चों के भोजन से जुड़े इस गंभीर लापरवाही के लिए कौन जिम्मेदार है। उल्लेखनीय है कि पड़ताल में यह भी सामने आया है कि कई विद्यालयों में वास्तविक दर्ज संख्या से अधिक बच्चों की उपस्थिति पोर्टल में दर्ज की जा रही है, जिससे यह संदेह गहराता जा रहा है कि कहीं कर्मचारी या अधिकारी मिलीभगत कर पोर्टल के माध्यम से स्व-सहायता समूहों को अनुचित लाभ तो नहीं पहुंचा रहे हैं। वहीं जानकारी मिली है कि बहुत से स्कूलों में मध्यान्ह भोजन में केवल दाल और चावल ही परोसा जा रहा है, सब्जी नहीं दी जा रही है।

मामले ने शिक्षा विभाग और मध्यान्ह भोजन योजना की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

इनका कहना है -

विद्यालय की जलापूर्ति पाइपलाइन सड़क निर्माण के दौरान ठेकेदार द्वारा क्षतिग्रस्त हो जाने से समस्या उत्पन्न हो गई थी। वर्तमान में पाइपलाइन का मरम्मत कार्य प्रगति पर है, जिसे एक-दो दिनों में पूर्ण कर लिया जाएगा।

-अनादि वर्मा,
बीआरसी, मंडला

सीता राम संकीर्तन समिति ग्राम पटेहरा द्वारा दादू राम सत्य राम धाम मे राम नाम का प्रचार

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

शास्त्रो मे कहा गया है दान, धर्म, तीर्थों, से बड़ा राम का नाम है जीवन मे कल्याण और सदाचार सत्यमार्ग को प्राप्त करना है तो इस कलयुग मे राम नाम ही आधार है, इस राम नाम की महिमा से जोडना ही सत्य मार्ग है, विकासखंड नारायणगंज के पटेहरा ग्राम के लोग जो लगतार 25 वर्षो से सीताराम प्रभात फेरी संकीर्तन समिति द्वारा राम नाम की महिमा की अलख जागे रहे, गांव गाँव जा कर सुबह जल्दी उठ कर राम का नाम लेने के लिए लोगो को प्रेरित करते है।

सीताराम संकीर्तन समिति पटेरा द्वारा ब्लॉक बीजादंडी के ग्राम हिनोतिया मे पहुँच का माँ नर्मदा का पूजा कर राम नाम से लोगो जोड़ने का सफल प्रयास किया गया करीक्रम ग्राम उपस्थित पटेहरा ग्राम के सरपंच कालीचरण मार्को, समाज सेवक दुर्गेश सिंगरौरे, राजाराम सिंगरोरे, श्यामसुंदर सिंगरोरे, रतन सिंगरोरे मदन सिंगरौरे बाल गोविंद सिंगरौरे सुरेंद्र कुमार सिंगरौरे बहोरी दादा,बुजुर्ग संगीता बाई सुखको बाई विमला बाई इलायची बाई मालती बाई माताएं बहने के जमा कर सहयोग किया।

स्वरोजगार स्थापना के लिए सेलफोन रिपेयरिंग का प्रशिक्षण संपन्न

मण्डला। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान मंडला एवं जिला आजीविका मिशन के तत्वाधान में 30 दिवसीय सेल फोन रिपेयरिंग एवं सेवा प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन किया गया। इस रोजगारमूलक प्रशिक्षण में 31 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। साथ ही कार्यक्रम का मूल्यांकन किया गया जिसमें सभी प्रतिभागियों ने सफलता हासिल की। प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन अवसर पर सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र का वितरण किया गया। इस अवसर पर आरसेटी डायरेक्टर श्री राजेश राय ने सभी प्रशिक्षणार्थियों को बैंक से सम्बंधित जानकारी दी एवं सभी को सफल होने की शुभकामनायें प्रेषित की। साथ ही सभी को जीवन में सफलता हासिल करने के लिए प्रेरित किया।

धूमधाम से मनाया गया भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा का जन्मदिन

*** महिष्मति घाट में महाआरती कर मांगी जिले की सुख-समृद्धि की कामना।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा का जन्मदिन सोमवार को उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। जन्मदिन के अवसर पर सुबह से ही शुभकामनाओं का तांता लगा रहा। जिलेभर से भाजपा कार्यकर्ता, पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं शुभचिंतक उनसे मिलने पहुंचे किसी ने माला पहनाई तो किसी ने शॉल श्रीफल से अभिवादन किया। जन्मदिन के अवसर पर हिरदेनगर स्थित मां छपरा दाई मंदिर में पूजन अर्चन के साथ जश गायन का आयोजन हुआ और यहां पर महाप्रसादी का आयोजन करते हुए जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा ने माता के चरणों में शीश नवाकर जिले की सुख-समृद्धि, शांति एवं विकास कामना की। पूजन-अर्चन के पश्चात महाप्रसादी का वितरण किया गया जिसमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और आमजन ने सहभागिता दर्ज कराई। इस अवसर पर जिले के विभिन्न मंडलों से भाजपा कार्यकर्ता संगठित रूप से हिरदेनगर पहुंचे। मंदिर परिसर में मंडली द्वारा प्रस्तुत मधुर भजनों और मधुसंगीत ने पूरे वातावरण को भक्तिमय और उत्साहपूर्ण बना दिया। जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा ने इस अवसर पर सभी कार्यकर्ताओं और शुभचिंतकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह स्नेह और विश्वास ही उनकी सबसे बड़ी पूंजी है। उन्होंने कहा कि पार्टी ने उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी है उसे वे पूरी निष्ठा ईमानदारी और समर्पण के साथ निभाते रहेंगे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन को और मजबूत करने तथा केंद्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का आह्वान किया। दिनभर जन्मदिन का क्रम चलता रहा। सोशल मीडिया पर भी जिला अध्यक्ष के जन्मदिन को लेकर शुभकामनाओं की बाढ़ देखने को मिली। शाम के समय भाजपा जिला कार्यालय में भी जन्मदिन का आयोजन किया गया। यहां कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा ने केक काटकर जन्मदिन मनाया। इस दौरान जिंदाबाद नारों से कार्यालय गूंज उठा। कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी जाहिर की। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि प्रफुल्ल मिश्रा के नेतृत्व में संगठन लगातार मजबूत हुआ है और पार्टी ने जिले में नई ऊंचाइयों को छुआ है। कार्यकर्ताओं ने यह भी कहा कि जिला अध्यक्ष हमेशा आम कार्यकर्ता की आवाज को प्राथमिकता देते हैं और हर परिस्थिति में संगठन के साथ खड़े रहते हैं। यही कारण है कि उनके जन्मदिन पर जिलेभर से इतना व्यापक समर्थन और स्नेह देखने को मिला। समापन अवसर पर जिला अध्यक्ष ने एक बार फिर सभी का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि कार्यकर्ताओं का यह स्नेह उन्हें और अधिक ऊर्जा के साथ संगठन एवं समाज सेवा के लिए प्रेरित करता है। वहीं महिष्मति घाट में पंच चौंकी महाआरती का आयोजन किया गया।

पुलिस अधीक्षक ने मध्य रात्रि में किया औचक निरीक्षण

मण्डला। पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा द्वारा जिले में कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाए रखने तथा पुलिस की नाइट ड्यूटी की प्रभावशीलता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मध्यरात्रि में औचक निरीक्षण किया गया। उन्होंने पुलिस कंट्रोल रूम स्थित सीसीटीवी रूम का अवलोकन कर शहर में लगे सीसीटीवी कैमरों की लाइव मॉनिटरिंग, रिस्पॉन्स टाइम एवं ड्यूटी पर तैनात स्टाफ की सतर्कता की समीक्षा की। साथ ही हॉस्पिटल चौकी का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं, रजिस्टर संधारण एवं नाइट ड्यूटी पर तैनात अधिकारी-कर्मचारियों की उपस्थिति की जांच की गई। इसके पश्चात थाना कोतवाली का निरीक्षण कर रात्रिकालीन गश्त, ड्यूटी प्वाइंट्स, लंबित कार्य एवं सुरक्षा प्रबंधों की समीक्षा की गई। शहर भ्रमण के दौरान बस स्टैंड स्थित बस स्टैंड चौकी का भी निरीक्षण किया गया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक श्री सकलेचा ने बस स्टैंड, सार्वजनिक स्थल पर उपस्थित राहगीरों एवं यात्रियों से संवाद कर उनकी समस्याएं, सुझाव एवं सुरक्षा संबंधी फीडबैक प्राप्त किया।

जिला चिकित्सालय मंडला में ब्लड बैंक एवं गायनिक ओपीडी का औचक निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

राज्य शासन के निर्देशानुसार एवं क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. संजय मिश्रा के मार्गदर्शन में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी मंडला डॉ. डी.जे. मोहंती द्वारा सोमवार को जिला चिकित्सालय मंडला स्थित ब्लड बैंक एवं मेटरनिटी (गायनिक) विंग का औचक निरीक्षण किया गया।

शासन के निर्देशानुसार समस्त शासकीय एवं गैर-शासकीय ब्लड बैंकों का निरीक्षण किया जाना है। इसी क्रम में क्षेत्रीय संचालक द्वारा गठित निरीक्षण दल, जिसमें ब्लड बैंक इंचार्ज डॉ. अमिता जैन एवं ब्लड बैंक अधिकारी डॉ. अभितेष भल्ला (जबलपुर) शामिल थे, द्वारा जिला चिकित्सालय मंडला के ब्लड बैंक का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान ब्लड बैंक में नियम आधारित कुछ जांच प्रक्रियाओं एवं रजिस्टर संधारण में कमियाँ पाई गईं। इस पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. डी.जे. मोहंती द्वारा ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. योगेश सिरसयाम एवं अस्पताल प्रबंधक अजय सैयाम को स्पष्टीकरण जारी किया गया। साथ ही लैब में पदस्थ एक लैब टेक्नीशियन को तत्काल प्रभाव से कार्य से पृथक किया गया।

सिविल सर्जन को निर्देशित किया गया कि ब्लड बैंक के सूचना पटल पर यह स्पष्ट रूप से प्रदर्शित किया जाए कि अस्पताल में भर्ती मरीजों को ब्लड बैंक से निःशुल्क रक्त उपलब्ध कराया जाता है, ताकि आमजन को इसकी जानकारी मिल सके। इसके अतिरिक्त ब्लड बैंक में स्थायी चिकित्सक की पदस्थापना भी सुनिश्चित की गई है।

इसी निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा गायनिक ओपीडी का भी औचक निरीक्षण किया गया। गायनिक ओपीडी में चिकित्सकों की ड्यूटी रोस्टर अनुसार सुनिश्चित करने के लिए सिविल सर्जन को निर्देश दिए गए। साथ ही सभी गर्भवती माताओं की समय पर सोनोग्राफी कराने एवं एएनसी पोर्टल में अनिवार्य रूप से प्रविष्टि करने के निर्देश भी दिए गए।

समस्या | **अवैध पार्किंग से रोजाना बन रही विवाद की स्थिति।**

अव्यवस्थित ऑटो पार्किंग बनी नगर की मुसीबत

*** भीड़ होने पर लगता लम्बा जाम।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/नारायणगंज

नगर नारायणगंज में अवैध व अव्यवस्थित ऑटो पार्किंग के चलते लगातार जाम की स्थिति बनती जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बस स्टैंड क्षेत्र में ऑटो चालकों के लिए किसी भी प्रकार की वैध एवं निर्धारित पार्किंग व्यवस्था नहीं होने से पूरे क्षेत्र में अव्यवस्था फैली हुई है। बस स्टैंड के आसपास मनमाने ढंग से खड़े ऑटो न केवल यातायात को बाधित कर रहे हैं, बल्कि आम नागरिकों, स्कूली बच्चों एवं बुजुर्गों को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थिति यह है कि थोड़ी सी भी भीड़ होने पर सड़क पर लंबा जाम लग जाता है। इसके साथ ही क्षेत्र में कई पुराने और कंडम हो चुके ऑटो वाहन संचालित हो रहे हैं, जिनसे अत्यधिक ध्वनि प्रदूषण फैल रहा है। नियमों के विरुद्ध चल रहे इन वाहनों पर अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। क्षेत्रीय प्रशासन की ओर से न तो ऐसे वाहनों को जब्त किया जा रहा है और न ही पार्किंग व्यवस्था को लेकर कोई ठोस पहल की जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पूर्व में भी अवैध पार्किंग को लेकर विवाद और झगड़े की स्थिति बन चुकी है। यदि शीघ्र ही ऑटो पार्किंग की समुचित व्यवस्था नहीं की गई और पुराने वाहनों पर कार्रवाई नहीं हुई, तो किसी दिन कोई बड़ी और गंभीर घटना घटित हो सकती है। नगरवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि बस स्टैंड क्षेत्र में ऑटो के लिए अलग व सुव्यवस्थित पार्किंग स्थल निर्धारित किया जाए, कंडम एवं नियम विरुद्ध चल रहे वाहनों पर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि नगर में यातायात व्यवस्था सुचारु हो सके और आमजन को राहत मिल सके।

खबर संक्षेप

स्कूलों में सड़ रहे कम्प्यूटर, शिक्षा विभाग की योजना पर लगा प्रश्न चिन्ह?

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। विगत कुछ वर्षो पूर्व मध्यप्रदेश शासन शिक्षा विभाग मंत्रालय द्वारा जारी दिशा निर्देश के मुताबिक क्षेत्र के अनेक गांवों के मिडिल स्कूलों मे कम्प्यूटर ज्ञान देने खातिर मयसेट कम्प्यूटर रखाये गये थें, जिनका कभी किसी छात्र को लाभ तो हुआ नही मगर इन कम्प्यूटरों की स्थिति देखी जावे तो कुछ चोरी चले गये, कुछ के आधें अधूरे सिस्टम शेष रह गये है तो वह भी संस्थाओं की कोठरी मे बंद पडें हुए सड़ रहे है और कुछ अध्यापक व प्रध्यापक के घर की शोभा बढ़ा रहे है? कई गांवों के शिक्षकों को कम्प्यूटर के क्षेत्र मे ए बी सी डी का ज्ञान न होने के कारण छात्र छात्रायें भी कम्प्यूटर ज्ञान से वंचित ही रहे गये है? शिक्षकों को कम्प्यूटर संबंधी ज्ञान न होने के कारण गांवों के बच्चे उन्हें आज तक चालू व बंद करना भी नही सीख पाये है? इतना ही नही अज्ञानतावश बच्चे यह सुनकर व जानकर उत्साहित होते है कि उन्हे स्कूल मे टेली विजन देखने मिला है जो शायद कभी चालू होगा? इस तरह आधुनिकता से परिपूर्ण दौर मे प्रत्येक क्षेत्र मे कम्प्यूटर जरूरत बन गया है, इसी बात का ध्यान रखत हुये बच्चों के भविष्य के लियें शिक्षा विभाग द्वारा कम्प्यूटर ज्ञान सोच के साथ लाखों रूपयें की राशि खर्च कर गांव गांव के स्कूलों मे कम्प्यूटर प्रशिक्षण की सुविधा मुहैया करायी गयी है,परंतु प्राध्यापकों द्वारा राशि का बंदरबाट कर अपनी जेब व अपने घर की शोभा बढ़ाने के शिवा कुछ साबित नही हुआ है? कम्प्यूटर प्रशिक्षण के नाम पर धूल खा रहे कम्प्यूटर एक बार बिगड़ जाने के बाद महीनों उनकी मरम्मत नही कराई जाती है, इस प्रकार वह स्कूलों मे रखें रखें सड़ रहे है? कई स्कूलों में तो लाईट की व्यवस्था तक नही है मगर फिर भी उन स्कूलों में कम्प्यूटर उपलब्ध है, अब सवाल यह उठता है कि आखिर शासन द्वारा कम्प्यूटर शिक्षा के नाम पर पैसा क्यों खर्च किया गया है।

साप्ताहिक सब्जी बाजारो में अव्यवस्था का आलम, ग्राहकों को हो रही असुविधा

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। शहर के शुक्रवारा बाजार में बेतरतीब सड़को पर लगी सब्जी दुकानों के कारण जहां प्रतिदिन देखा जा रहा है कि सब्जी खरीदने वाले आमजन को कई तरह की दिक्कतो का सामना करने मजबूर होना पड़ रहा है। वही दिन में सूरज की रोशनी की तरह अब यह सच्चाई सामने आने लगी है कि शहर के स्टेशन प्राथमिक शाला के सामने और टेलीफोन एक्सचेंज के समीप लगने वाले साप्ताहिक सब्जी बाजारो में अव्यवस्था का बोलबाला हो गया है? इन साप्ताहिक सब्जी बाजारों में ग्रामों से आकर सब्जियों की दुकानें लगाने वाले लोगों का कहना है कि वे नपा. कर्मचारियों से हर सप्ताह टेक्स की रसीदें कटवाते है पर बदले में उन्हे सब्जी की दुकान लगाने के लिए उचित स्थान, प्रसाधन, पेयजल या अन्य किसी तरह की सुविधा नही मिल रही है। हालत यह है व्यस्त माने जाने वाली सड़कें के किनारों पर लग रहे साप्ताहिक बाजारों में वाहनो की उड़ती धूल व बारिश कसे दिनों में कीचड़ और आवारा जानवरो के विचरण के कारण उनका बेचने लायी सब्जियों का सुरक्षित रखना मुश्किल हो रहा है। आमतौर पर साप्ताहिक सब्जी बाजारों से सब्जियां खरीदने वाले उपभोक्ताओं ने बताया कि शहर के शुक्रवारा, पानी की टंकी के पास के सब्जी बाजारों में जिस तरह पार्किंग सुविधा का अभाव है वैसे साप्ताहिक सब्जी बाजारो में लोगों को वाहन खड़े करने की सुविधा अभी तक नसीब नहीं हुई है जिसका परिणाम है कि वाहन मालिकों को मजबूरी वश साप्ताहिक सब्जी बाजारों में जहां तहां वाहन खड़े करना पड़ता है, जिससे इन सब्जी बाजारों का माहौल अराजक तो बन ही जाता है ग्राहकों को भी बेमतलब दिक्कत होती है। गौरतलब है कि नगर में लगने वाले साप्ताहिक सब्जी बाजारों से अनेक वार्डो, कालोनियों के निवासियों की सब्जियों की आवश्यकता की पूर्ति होती है और यदि सब्जी उपभोक्ताओं की मानें तो इन साप्ताहिक सब्जी बाजारो मं बेहतर क्वालिटी की सब्जियां कम भाव पर मिलती है।

आसान किस्तों पर फाईनेस के नाम पर करा लिये जाते है दस्तावेजों पर हस्ताक्षर, दुकानदारों की मिली भगत के मिल रहे संकेत ...?

शहर से लेकर गांव गांव तक फैली हुई फाईनेंस कंपनियों द्वारा धडल्ले से आमजन की जेबों पर डाला जा रहा डाका..

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा

क्षेत्र के नेताओं द्वारा लगातार किये जा रहे प्रयासों का परिणाम है कि गाडरवारा क्षेत्र लगातार प्रगति पर तो दिखाई दे रहा है और इसी प्रगति के चलते आज नगर सहित क्षेत्र में व्यापार व अन्य व्यवस्थाओं में भी इजाफा होने लगा है। हाल यह है कि आये दिन नगर में अनेक प्रकार की बड़ी बड़ी दुकानों के साथ साथ अन्य प्रतिष्ठान भी खुलते चले जा रहे है तो दूसरी ओर देखा जा रहा है कि आमजन की सुविधाएं प्रदान करने के नाम पर नगर में अनेक छोटी बड़ी बैकों द्वारा अपनी ब्रांच खोलती चली जा रही है। वही दूसरी ओर अनेक प्रकार की फाईनेंस कंपनियों ने भी अपने पैर जमा लिये गये है। इस प्रकार से दिनों दिन अपने पैर जमा रही इन फाईनेंस कंपरियों की सच्चाई को लेकर जहां अनेक प्रकार के संदेह पैदा होते हुये जान पड़ रहे है। क्योंकि नगर में जहां तहां स्थापित होने जा रही इन निजी फाईनेस कंपनियों के संबंध में शायद ही कभी प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा उनकी सच्चाई जानने का प्रयास किया गया हो और इसी का परिणाम है कि यह फाईनेस कंपनियों द्वारा क्षेत्र के भोले भाले लोगों को गुमराह करते हुए उनकी जेबों पर डाका डालने से भी नही चूक रही है? यह अलग बात है कि पूर्व में हमारे जिले के नेताओं से लेकर प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा वाही वाही लूटने के उद्देश्य से जिलो को पूर्ण साक्षर होने का खिताब जरूर दिला दिया गया है। मगर आज भी शहर से लेकर गांवों में निवास करने वाले अनेक लोग इस प्रकार से है जिन्हें अंगूठा लगाते हुये देखा जाता है और इस समय जहां तहां चल रहे अंग्रेजी के बोल बाला ने तो स्थानीय स्तर पर पढ़ाई करने वाले युवाओं को भी गुमराह होने के लिये मजबूर कर दिया गया है। इस सच्चाई का लाभ बाहर से आने वाली अनेक निजी फाईनेस कंपनियों द्वारा धडल्ले से उठाया जा रहा है..? सच्चाई पर नजर डाली जावे तो नगर में संचालित होने वाले अनेक बड़े बड़े प्रष्ठिानों द्वारा अपने सामग्री बेचने के लिये इन निजी फाईनेस कंपनियों से जुगल बंदी जमाते हुये जहां दुकानदारों द्वारा अपनी सामग्री का विक्रय करते हुये आमजन को फाईनेस तो करा दिया जाता है और बाद में इन कंपनियों द्वारा जिस प्रकार से आम लोगों की जेबों पर डांका डाला जाता है? इस बात की सच्चाई इस समय नगर में उन लोगों से चर्चा करने के दौरान मिल रही है जिन्होंने नगर की दुकानों से खरीदी गई सामग्री को फाईनेस कराया गया है? इस संबंध में मिल रही जानकारी के अनुसार नगर में जहां तहां स्थापित हुई बाहरी फाईनेस कंपनियों द्वारा नगर के बडे बड़े शोरूमों की शह पर धडल्ले से आम लोगों को लूटने में कोई कसर नही छोड़ रही है। जबकि देखा जावे तो कुछ साल पहले प्रदेश के मुखिया द्वारा भी इस प्रकार से भोले भाले लोगों को गुमराह करते हुये पैसा ऐठने वाली कंपनी माफियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही के आदेश दिये गये थें..? तो दूसरी ओर इन निजी फाईनेंस कंपनी की कारगुजारियों को मीडिया द्वारा लगातार उजागर किया जा रहा है। मगर इस ओर न तो प्रशासन द्वारा कोई ध्यान दिया जा रहा है और और नही पुलिस द्वारा जिसका परिणाम है कि नगर सहित क्षेत्र के गांवों में अनेक लोग इन फाईनेस कंपनियों के शिकार होते हुये आर्थिक क्षति का सामना करने के लिए मजबूर हो रहे है? यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो जब कोई व्यक्ति किसी बड़े शोरूम या दुकान पर कोई सामग्री खरीदने के लिए पहुंचता है तो दुकान की संचालक या उसके कर्ताधर्ताओं द्वारा अपने ग्राहक से खुले शब्दों में कहा जाता है कि यह सामग्री उन्हें फाईनेस करा दी जावेगी और उसमें कोई परेशानी नही होगी। इस प्रकार से बडे बड़े शोरूमों का संचालन करने वाले कर्ताधर्ताओं के बातों में जब फंस जाते है तो वह खुद की फाईनेस कंपनियों के लोगों बुलाते हुये अपनी सामग्री विक्रय करते हुये ग्राहक को आसान किस्तों पर भुगतान करने की सुविधा दिला दी जाती है और इसके बदले में भोले भाले ग्राहकों से से चेंक बुक सहित अन्य जरूरी दस्तावेजों में हस्ताक्षर ले लिये जाते है। मगर इसके बाद शुरू हो जाता है इन फाईनेस कंपनियों द्वारा लूटने का कार्य जिसके चलते आम उपभोक्ता को सामग्री खरीदते समय फाईनेस के नाम पर बताई गई सच्चाई से संपूर्ण विपरित कार्य शुरू हो जाता है। जब कोई उपभोक्ता अपनी किस्त रूपी राशि जमा करता है तो इन फाईनेस कंपनी द्वारा न तो उस जमा राशि के बदले कोई रसीद प्रदान की जाती है और न ही ऐसा कोई पुरूप दिया जाता है जिससे उपभोक्ता यह बात साबित कर सके कि उसके द्वारा इतना भुगतान किया जा चुका है? जब उपभोक्ता द्वारा फाईनेस के रूप में राशि बसूलने व बाकी के संबंध में फाईनेस कंपनी के संचालकों से चर्चा करता है तो उनके द्वारा जमा किये जाने वाली राशि के बाद भी जो बाकी निकलता है उसे सुनकर उसके पैरो तले से जमीन गायब होते हुई इसलिये दिखाई देने लगती है कि जो सामग्री उसके द्वारा खरीदी गई थी और दुकानदार द्वारा जो रेट बताया गया था उससे काफी अधिक हो जाती है और इस संबंध में जब वह सामग्री विक्रय करने वाले शोरूमों या फिर दुकानदार से चर्चा करता है तो वहां से उसे एक ही जबाव मिलता है कि भाई अब इसमें हम कुछ नही कर सकते है इस संबंध में तो फाईनेस कंपनी वाले ही जाने? इस प्रकार से फाईनेस के नाम पर लोगों की जेबो पर धडल्ले से डाका डालने की लीला नगर में आम बात होती चली जा रही है। यदि कोई व्यक्ति किसी फाईनेस कंपनी की शिकायत करने की हिम्मत जुटाने का प्रयास करता है तो फाईनेस कंपनियों द्वारा उसके सामने वह चेक बुक पेस कर दी जाती है जिसके चेकों पर बगैर तारीख व बगैर राशि के हस्ताक्षर कराने के साथ साथ वही अंग्रेजी वाले दस्तावेज पेश कर दिया जाते है जिन्हें कम पढ़े लिखे हुये नगर के व्यक्ति द्वारा दुकानदानों की लच्छेदार बातों में आकर फाईनेस कपंनी को सौप दिये गये होते है? इस प्रकार से नगर में धडल्ले से अनेक निजी कंपनियों द्वारा आम लोगों की जेबों पर डाका डालते हुये देखा जा रहा है, जिसके चलते आम लोग शोरूम संचालको व फाईनेस कंपनियों की मिली भगत के चलते अपने आपको लुटा हुआ महसूस करने से नही चूक रहे है?

जब एक एक बोरी यूरिया के लिये क्षेत्र का अन्नदाता सड़कों पर बैठने हो रहा मजबूर, दो साल की विकास गंगा में कैसे लगा पायेगी जनता गोते..

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। इस समय देखा जा रहा है कि प्रदेश की वर्तमान सरकार के दो साल पूर्ण होने के चलते जहां तहां आयोजन होते हुये देखे जा रहे है तो दूसरी ओर शहर की से लेकर गांव गांव की सड़को को बेनर पोस्टर से दुल्हन की तरह सजाते हुये नेतागण आयोजनों के माध्यम से प्रदेश सकरार के सफलता दो साल होने पर विकास कार्यो की कहानी सुनाने से नही चूक रहे है..। मगर दूसरी ओर अन्नदाता की जो सच्चाई देखने मिल रही है कि वह यूरिया खाद को लेकर बार बार सड़को पर बैठने के लिये मजबूर होते हुये देखा जा रहा है। अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि सरकार अपने विकास की कहानी से अन्नदाता वाले पाठ को हटा चुकी है..? जिसके चलते इस विकास कहानी के बीच परेशान अन्नदाता का नाम कही भी सुनाई नही दे रहा है और न ही परेशान किसानों के सामने खड़ी यूरिया की समस्या के निदान को लेकर क्षेत्र के जिम्मेदार नेताओं द्वारा किसी तरह से कोई प्रयास करते हुये दिखाई नही दे रहे है। यह बात अलग है कि दो साल पहले जब चुनावी महौल देखा जा रहा था उस समय जरूर सत्ताधारी पार्टी द्वारा अपने संकल्प पत्र में किसानों की आये दुकाना करने का भरोसा देते हुये सुना जा रहा था। मगर अन्नदाता की स्थिति इस तरह से बनी हुई देखी जा रही है कि जब किसानों को बोनी करने के लिये जरूरी सामग्री ही नही मिल पायेगी तो फिर क्या वह अपने खेत की मिट्टी मात्र को देखकर अपनी आये दुगनी करेगा..? इस समय जहां क्षेत्र के किसान अपने खेतों में बोनी करने से लेकर फसल की तैयारी के लिये एक एक बोरी यूरिया खाद प्राप्त करने के लिये भटकते हुये देखे जा रहे है। हाल यह बनी हुई है कि इस समय पड़ रही तेज ठंड के बीच जहां लोग सूरज निकलने के पहले अपनी पल्ली से निकलने की हिम्मत नही जुटा पा रहे है। मगर बेचारा किसान एक एक बोरी यूरिया के लिये वितरण केन्द्रो पर सुबह होने के पहले ही लाईनों में लगा हुआ दिखाई देने से नही चूक पा रहा है। यह हाल गाडरवारा के चिरह मार्ग स्थित बेयर हाऊस हो या फिर सालीचौका क्षेत्र का बेयर हाऊस जहां पर प्रतिदिन किसानों का यूरिया खाद प्राप्त करने के लिये महाकुंभ जैसा नजरा दिखाई देने से नही चूक पा रहा है। मगर यहां पर फैल रही अव्यवस्थाओं के चलते जहां अन्नदाता दिन दिन भर भूखा प्यासा लाईन में लगने के बाद भी उसे यूरिया नही मिल पाने के चलते खाली हाथ घरों को लौटता है तो आक्रोश पैदा होना आम बात बन चुकी है। इस तरह आये दिन आक्रोशित किसानों द्वारा विरोध प्रदर्शन करते हुये सड़को पर बैठने के लिये मजबूर होते हुये देखा जा रहा है। इस तरह बीते हुये दिवस समीपस्थ चिरह रोड स्थित बेयर हाऊस पर एक बार फिर यूरिया को लेकर किसानों को सड़क पर बैठकर चकाजाम जैसे हालत निर्मित करते हुये देखा गया। अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि जब जिला स्तर के अधिकारियों द्वारा यूरिया खाद उपलब्धता को लेकर आकड़े प्रदान करते हुये कहा जाता है कि यूरिया पर्याप्त मात्रा में हो तो फिर किसानों को मिल क्यो नही पा रहा है जिसके चलते उन्हें सड़को पर बैठने के लिये मजबूर होते हुये देखा जा रहा है। इस प्रकार से क्षेत्र का किसान जहां लगातार परेशान होते हुये देखा जा रहा है तो दूसरी ओर क्षेत्र के जिम्मेदार नेताओं द्वारा अपनी सरकार के सफलतम दो वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने की उपलब्धि में जहां तहां आयोजन करते हुये विकास की कहानी सुनाते हुये देखा जा रहा है। अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि जिस प्रदेश के अन्नदाता सड़को पर बैठने के लिये मजबूर हो रहे हो तो क्या उस कार्यकाल को सफल कहा जा सकता है..? इस तरह परेशान किसानों की मजबूरी का फायदा कुछ खाद वितरण करने से लेकर विक्रय करने वाले लोगों द्वारा उठाने में कोई कसर नही छोड़ी जा रही है। क्योंकि उनके द्वारा यूरिया व अन्य खाद के साथ किसानों को जबरन अन्य दूसरी कोई दूसरी वस्तु भी लेने के लिये मजबूर करने में पीछे नही रह रहे है..? इस स्थिति में अन्नदाता की मजबूर यह बनते हुये देखी जा रही है कि वह यदि दुकानदार द्वारा प्रदान की जाने वाली सामग्री को नही लेता है तो उसे खाद भी नही मिल पा रहा है। इस तरह क्षेत्र का अन्नदाता चारों ओर परेशानियों से घिरा हुआ दिखाई देने से नही चूक रहा है..?

हाई स्कूल चिरह कला में विधिक साक्षरता शिविर के माध्यम से छात्र छात्राओं को दी गई कानूनी जानकारी

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

स्कूली बच्चों को कानूनी जानकारियों वे अवगत कराने की सोच के चलते राज्य विधिक सेवा प्रधिकरण द्वारा आये दिन विधिक साक्षरता शिविरों का आयोजना करता है। कुछ इसी प्रकार से बीते हुये दिवस जनपद पंचायत सांईखेड़ा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत चिरह कला शासकीय हाई स्कूल में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। म. प्र. विधिक सेवा प्राधिकरण के आदेशानुसार एवं मा. प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/ अध्यक्ष अखिलेश शुक्ला जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार व तहसील विधिक सेवा समिति गाडरवारा के अध्यक्ष व जिला न्यायाधीश मा श्रीमति संतोष बासनिक के मार्ग दर्शन में राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस एवं पैन इंडिया पर्यावरण विधिक साक्षरता एवं सामुदायिक संरक्षण पहले के अंतर्गत **Protect Today Secure Tomorrow** विषय पर आयोजित इस शिविर में मा. न्यायाधीश अजय सिंह यादव जे.एम.एफ.सी गाडरवारा की मौजूदगी में तहसील विधिक सेवा समिति द्वारा आयोजित किया गया। इस शिविर के दौरान मा. अजय सिंह यादव जे.एम.एफ.सी द्वारा स्कूली छात्र छात्राओं को उपभोक्ता जागरूकता से संबंधित जरूरी जानकारियाँ प्रदान की गई। साथ ही उनके अधिकार व अधिकारों के हनन होने पर कानूनी प्रक्रिया से अवगत कराया गया। इस दौरान स्कूली बच्चों को बताया कि मोटर यान का प्रयोग करते समय यह सुनिश्चित करना चाहिये की वाहन का बीमा अवश्य हो तथा वाहन चलाने के लिये ड्राईविंग लाइसेंस होना चाहिये। क्योंकि बगैर बीमा व लाईसेंस के वाहन चलाना कानूनी व सामाजिक अपराध की श्रेणी में आता है। इसके आलवा बच्चों को बेड टच, गुड टच की जानकारियों से अवगत कराते हुये लैगिंक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 के विधिक प्रावधानों से अवगत कराते हुये बच्चों से नैतिक मूल्यों के विकास तथा समाज के प्रति संवेदनशील रहने की सलाह दी गई। इस दौरान शाला परिसर में विभिन्न प्रकार के पौधा रोपण करते हुये पर्यावरण की रक्षा का भी संदेश देते हुये कहा कि हर व्यक्ति को अपने जीवन में कम से कम एक पौधा रोपते हुये उसे पेड़ बनाने के लिये जागरूक किया गया। इस मौके पर संस्था के प्राचार्य नारायण प्रसाद साहू, के आलवा श्रीमित आरिका सिजारिया, बसंत किरार, नारायण सिंह पटैल, दीपक तिवारी, उमेश मेहरा, पंकज जाटव, अमित जयवार व लिपिक शिखा सौनी के आलवा पीएलव्ही अखिलेश सोनी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

जन अभियान परिषद तूमडा की बैठक का हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। ग्राम विकास प्रसफुटन समिति तूमडा खिरेटी की बैठक का आयोजन जल संचय अभियान बोरी बंधान बनाने की योजना को लेकर महत्वपूर्ण बैठक नवांकुर संस्था अध्यक्ष राकेश खेमरिया के मार्गदर्शन में की गई। बताया जाता है कि इस बैठक में बिभिन्न बिषयो पर चर्चा हुई जिसमें पर्यावरण संरक्षण सम्वर्धन गतिविधि, पंच परिवर्तन के तहत वृक्षारोपण एवं जल संचय अभियान सहित बोरी बंधान, नशा मुक्ति के मुद्दो पर विस्तार से चर्चा की गई। इसके आलवा मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम बीएस डब्ल्यू एवं एम एस डब्ल्यू कक्षा में अध्ययन अध्यापन के लिए छात्र छात्राओ से अनिवार्य रूप से नियमित उपस्थति का आग्रह परामर्शदाता हर्षित राजपूत ने किया तथा परामर्शदाता सपना तोमर ने आनलाइन इलीजिविलिटी फार्म भरकर पजीयन किये गये। इस बैठक में ग्राम विकास प्रसफुटन समिति सदस्यों की उपस्थति रही जिसमें मुख्य रूप से समिति अध्यक्ष शिबकुमार के आलवा बीरेन्द्र ठाकुर, मेहरवान ठाकुर, बिष्णु ठाकुर, जितेन्द्र ठाकुर, शिवराज ठाकुर, लक्ष्मी ठाकुर, राखी ठाकुर, साक्षी ठाकुर सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

छेड़खानी के आरोपी द्वारा राजीनामा की बात पर दी जान से मारने की धमकी

गाडरवारा। स्थानीय पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस समीपस्थ ग्राम बरहटा निवासी एक महिला द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि ग्राम के अंकित धानक नामक व्यक्ति पर प्रार्थिया की बेटी से की गई छेड़खानी का मामला न्यायालय में चल रहा है। इसी बात को लेकर बीते हुये दिवस आरोपी प्रार्थिया के घर आया और राजीनामा करने की बात कहते हुये गंदी गंदी गालिया देने लगा। जब प्रार्थिया द्वारा इस तरह गाली देने से मना किया तो आरोपी द्वारा जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पुलिस ने प्रार्थिया की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

नगर की शालेय पत्रिका धरोहर का विमोचन समारोह हुआ संपन्न

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। नगर के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बीटीआई, स्कूल में बीते हुये दिवस नगर के सभी हायर सेकेंडरी विद्यालयों के विद्यार्थियों को शामिल करते हुए शालेय वार्षिक पत्रिका धरोहर का विमोचन प्रदेश के जाने-माने वरिष्ठ साहित्यकार कुशलेंद्र श्रीवास्तव सहित जिला शिक्षा अधिकारी प्रतुल इंदुरख्या, सांईखेड़ा ब्लाक शिक्षा अधिकारी सुश्री सीमा डोंगरे, बी आर सी संदीप स्थापक सहित नगर के चारों उमावि विद्यालयों प्राचार्य एस के मिश्रा, सुशील शर्मा, श्रीमती सुनीता पटेल, श्रीमती लेखा कौरव मौजूदगी में संपन्न हुआ। विगत वर्षों में शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गाडरवारा से डॉ मंजुला शर्मा के संपादन में प्रवाहिनी नाम से प्रकाशित पत्रिका को इस वर्ष विस्तार देते हुए नगर के सभी विद्यालयों के बच्चों को शामिल करते हुए धरोहर नाम से प्रकाशित किया गया है। लोक संस्कृति और उसकी सार्थकता विषय पर सभी विद्यालय के शिक्षकों की एक संपादकीय टीम के मार्ग दर्शन में विद्यार्थियों ने लोक परंपराओं रीति रिवाजों की जीवन में सार्थकता पर सुंदर, सारगर्भित रचनाएं लिखी गई है। इस बहाने बच्चों ने अपने बड़े बुजुर्गों से जुड़कर अपनी महान संस्कृति का अध्ययन किया। जिला शिक्षा अधिकारी प्रतुल इंदुरख्या ने इस प्रयास की सराहना करते हुए इसे सभी विद्यालयों में करने का सुझाव दिया। इसी प्रकार से ब्लाक शिक्षा अधिकारी सुश्री सीमा डोंगरे तथा बी आर सी संदीप स्थान ने बच्चों को पुस्तकों से जोड़ने के इस प्रयास की प्रशंसा की गई। वही कार्यक्रम के दौरान अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में धरोहर के प्रमुख मार्ग दर्शक एवं वरिष्ठ साहित्यकार कुशलेंद्र श्रीवास्तव ने लेखन के महत्व को रेखांकित करते हुए धरोहर की पूरी टीम और सभी विद्यार्थियों को उनके इस महत्वपूर्ण कार्य की प्रशंसा की गई। इस विमोचन उपरांत संपादकीय टीम के श्रीमती निर्मला पाराशर, श्रीमती अर्चना दुबे, श्रीमती अर्चना नामदेव, श्रीमती भारती आरसे, मलखान मेहरा योगेंद्र झरिया एवं कंछेदी धानक सहित पत्रिका में अपनी रचनाएं लिखने वाले सभी विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र एवं पत्रिका की एक प्रति उपहार स्वरूप प्रदान की गई।

हेंडपंप पर ऑटो धोने पर हुआ विवाद

गाडरवारा

पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस समीपस्थ ग्राम सीरेगांव निवासी एक आटों चालक द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि बीते हुये दिवस जब प्रार्थी अपने आटों की धुलाई हेंडपंप पर कर रहा था उसी दौरान गांव को नीतेश भारद्वाज द्वारा बोला की आटों यहां पर क्यों धुल रहा है रास्ते में पानी बह रहा है। इसके बाद गंदी गंदी गालिया देने लगा। जब प्रार्थी द्वारा गाली देने से मनाया किया तो आरोपी द्वारा लाठी से मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई तथा आरोपी के पिता कमलेश भी आ गये और उनके द्वारा भी मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाते हुये जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

लगातार बढ़ रही महंगाई के दौर में बेरोजगार युवा सड़कों पर भटकने हो रहे मजबूर

हरिभूमि न्यूज/ खुलरी। नौजवानो में कुछ नया करने का जज्बा और समाज में बदलाव लाने की ताकत होती है। किन्तु जब उन्हे सम्मान,कोई काम नही मिलता है तो उम्मीदों से भरी उनकी ऑखो की चमक गायब होने लगती है और उनकी सक्रियता खत्म होने से वे परिवार पर बोझ बनने के साथ ही कुंठित होने लगते है। बदनसीबी की बात है कि शहर व क्षेत्र के गांवो में इन दिनों महँगाई के अलावा युवाओं की बेरोजगारी की समस्या आमलोंगो को परेशान कर रही है। बताया गया है कि क्षेत्र में कालेजों से डिग्रियॉ लेने वाले हजारों युवा लम्बे अरसे से बेरोजगारी का दंश झेल रहे है, हालत यह है कि जिला रोजगार कार्यालय में वर्षो से पंजीयन कराने के बाद भी उन्हे ऐसी छोटी नौकरी भी नही मिल पा रही है,जिसके सहारे वे अपने घरो में खुशिया बिखरा सके , शहर के हालात पर यदि नजर डाली जाए तो यह सच्चाई उभरकर सामने आने लगी है कि शहरों में चलने वाले कोचिंग सेन्टरो, महाविद्यालय, स्कूलो, सायवर कैफो से किताबी, तकनीकी ज्ञान प्राप्त कर हर वर्ष हजारों की तादाद में युवा निकलते है, पर वह प्रतिभा वान होने के बावजूद उनको नौकरी की तलाश में दर दर भटकना पड़ता है। वही दूसरी ओर गौर किया जावे तो इनमें से कुछ नौजवान अनचाहा धंधा करने लगते हैं और कुछ शहरों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में प्रायवेट शिक्षण संस्थाओं के फैले शोषण के जाल में उलझ कम तनख्वाह लेकर बच्चों को पढ़ानें लगते है और बहुत से बेरोजगार युवा ऐसे भी होते है जो बेकारी से तंग होकर मजबूरी वश ऐसे अवैध काम करने लगते है। जो उनके स्वभाव के विपरीत होते है। क्षेत्र में बेरोजगारो की संख्या में ईजाफा होने के कारण नौजवानो के भविष्य को लेकर अब क्षेत्र में चिंता की लहर दौड़ती प्रतीत हो रही है। विदित हो कि क्षेत्र में जब फैक्ट्रियॉ लगी थी, तो ऐसा लगा था कि क्षेत्र में नए रोजगार के अवसरो का सृजन होगा, लेकिन दुर्भाग्य से उक्त उपक्रमो में क्षेत्रीय नौजवानो को 25 प्रतिशत भी नौकरियॉ नसीब नही हुई? जिसका नतीजा है कि क्षेत्र में निरंतर बेरोजगार युवाओं की फौज बढ़ती रही और बेरोजगारी की समस्या ने जाटिल रूप धारण कर लिया। गौरतलब है कि आमतौर पर नौजवान स्वाभिमानी, जोशीले होते है, इसलिए बेकारी से तंग होने के बावजूद वे अपने दर्द का इजहार करने में संकोच करते है मगर इस उलट हकीकत यह रहती है कि नेता व साधन सम्पन्न बेरोजगार युवाओं को उपेक्षित करने लगते है तथा उनकी जिंदगी में कुछ नया करने की उमंग क्षीण होने लगती है, इस प्रकार से देखा जावे तो क्षेत्र में बेकार युवाओं की तादाद बढ़ते जाना सचमुच चिंता जनक बात है क्षेत्र में रोजगारोन्मुखी शिक्षा की व्यवस्था, सरकार स्तर के नए, औद्योगिक प्रतिष्ठान, रोजगार के अवसरो के सृजन, बेरोजगार युवाओं के हो रहे आर्थिक शोषण पर अंकुश लगाना अब समय की मॉग है, जिस पर तवज्जो देकर जनप्रतिनिधियो, शासकीय अधिकारियो, समाजसेवी संस्थाओं को क्षेत्र मिटाने सार्थक कदम उठाना चाहिए ताकि क्षेत्र के हर शिक्षित नौजवान को नौकर मिल सके और वह गर्व के साथ अपना जीवन व्यतीत कर सके।

सांगई स्कूल में आयोजित की गई शाला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। स्कूली बच्चों के ज्ञान में बढ़ोत्तरी की सोच रखते हुये शिक्षण संस्थाओं में आये दिन अनेक प्रकार के आयोजित होते हुये देखा जाता है। कुछ इसी प्रकार से बीते हुये समीपस्थ ग्राम सांगई की एकीकृत शासकीय नवीन माध्यमिक शाला में बच्चों के लिये शाला स्तरीय गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान एवं पर्यावरण विषय प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। बताया जाता है कि इस अवसर पर विद्यालय मे छात्र छात्राओं के हितार्थ मॉडल निर्माण,लघु नाटिका, पर्यावरण एकल गीत, सेमिनार सहित अन्य प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन माध्यमिक वर्ग के लिए किया गया। इन प्रतियोगिताओ मे छात्र छात्राओं ने सूर्य ग्रहण, चंद्र ग्रहण, सौर मंडल, कचरा संग्रहण, जल संरक्षण सहित अन्य विषयों पर मॉडल व पोस्टर बनाये। इसके अलावा बाल विवाह पर लघु नाटिका प्रस्तुत करने के साथ ही सेमिनार में विद्याथियो ने प्लास्टिक प्रदूषण पर अपने विचार रखे। इस दौरान छात्राओं ने पर्यावरण एकल गीत भी प्रस्तुत किये। कार्यक्रम उपरांत सफल छात्र छात्राओं की पोटेंल पर एंट्री की गई। इस अवसर पर प्रभारी प्रधान पाठक मधुसूदन पटैल, विवेक नाईक, देवेंद्र ठाकुर, किरण लता ठाकुर, चन्द्र भूषण नामदेव, फूलवती केवट सहित अनेक बच्चों की उपस्थिति रही।

खबर संक्षेप

'पंखिनी – सपने को दो पंख' के तहत पुलिस भर्ती फिजिकल प्रशिक्षण का शुभारंभ

डिंडौरी।बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत संचालित नवाचार पंखिनी – सपने को दो पंख के तहत पुलिस भर्ती प्रतियोगिता परीक्षा हेतु आयोजित 15 दिवसीय फिजिकल प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्रथम दिवस 22 दिसंबर 2025 को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। प्रशिक्षण के पहले ही दिन बालिकाओं में विशेष उत्साह, अनुशासन और आत्मविश्वास देखने को मिला।उल्लेखनीय है कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए 18 दिसंबर 2025 को बालिकाओं की फिजिकल स्क्रीनिंग आयोजित की गई थी, जिसके आधार पर पात्र बालिकाओं का चयन किया गया। चयनित प्रतिभागियों को 15 दिवस तक निरंतर शारीरिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। यह प्रशिक्षण कार्यक्रमडिंडोरी पुलिस ग्राउंड में प्रतिदिन शाम 4:00 बजे सेतथा शहपुरा स्थित वीरांगना रानी दुर्गावती स्टेडियम में प्रतिदिन सुबह 7:00 बजे सेसंचालित किया जा रहा है।प्रशिक्षण के दौरान खेल एवं युवा कल्याण विभाग, पुलिस विभाग एवं शिक्षा विभाग के अनुभवी खेल प्रशिक्षकों द्वारा पुलिस भर्ती परीक्षा के निर्धारित शारीरिक मापदंडों के अनुरूप 800 मीटर दौड़, हाई जंप एवं गोला फेंक का वैज्ञानिक एवं व्यवस्थित प्रशिक्षण दिया जा रहा है।यह नवाचार माननीय कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया के मार्गदर्शन में प्रारंभ किया गया है, जिसका उद्देश्य बालिकाओं को पुलिस भर्ती सहित अन्य शासकीय सेवाओं के लिए सक्षम बनाना, उन्हें रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना तथा आत्मनिर्भर और सशक्त बनाना है।प्रशिक्षण कार्यक्रम को लेकर बालिकाओं में भारी उत्साह देखा जा रहा है। 'पंखिनी – सपने को दो पंख' नवाचार जिले में बालिकाओं के सर्वांगीण विकास और सशक्तिकरण की दिशा में एक प्रभावी एवं प्रेरणादायी पहल के रूप में निरंतर आगे बढ़ रहा है।

राष्ट्रीय गणित दिवस का हुआ आयोजन

शहपुरा । शासकीय हाई स्कूल मुड़की, डिंडोरी में राष्ट्रीय गणित दिवस का आयोजन मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् के प्रयोजन एवं महाकौशल विज्ञान परिषद, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास केसह संयोजन से किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. विकास जैन, जिला प्रमुख,अखिल भारतीय विज्ञान परिषद व सुनीता नामदेव, महाकौशल विज्ञान परिषद की जिला संयोजिका उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती जी के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में गणित के महत्व और इसके विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई। मुख्य अतिथि डॉ विकास जैन ने बताया कि श्रीनिवास रामानुजन का गणित के क्षेत्र में योगदान अविस्मरणीय है। उन्होंने संख्या सिद्धांत, अनंत श्रंखला, और विभाजन कार्यों में अपनी असाधारण सोच और गणितीय विरासत के बारे में बताया। उन्होंने विद्यार्थियों को गणित में रुचि लेकर कार्य करने के लिए प्रेरित किया।संस्था की प्रभारी प्रचार्या सुनीता नामदेव ने बताया कि रामानुजन ने मात्र 12 वर्ष की उम्र में ही त्रिकोणमिति के क्षेत्र में महारत हासिल कर ली थी और उन्होंने अनेक प्रमेयों की रचना की। साथ ही उन्होंने बताया कि संख्या 1729 को हार्डी-रामानुजन संख्या कहते हैं और यह एक मैजिक नंबर है जो कि दो संख्याओं के घन का योग है। उन्होंने जीवन में गणित की उपयोगिता के बारे में बताया। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक लक्ष्मी श्याम, माया धुर्वे,दिनेश निर्या, सोनाली पांडे, और अभिलाषा साहू उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन दिनेश निर्या ने किया।

दो बाइकों की आमने–सामने भिड़ंत पिता की मौत, बेटा सहित तीन घायल

कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत मंडला रोड पर ग्राम रयपुरा स्कूल के समीप सोमवार दोपहर करीब 2:30 बजे हुए दर्दनाक सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

डिंडौरी।

हादसा दो मोटरसाइकिलों की आमने–सामने टक्कर से हुआ, जिससे सड़क पर कुछ देर के लिए अफरा–तफरी मच गई।प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक सुदेश सिंह तेकाम (54 वर्ष), पिता जगत सिंह, निवासी ग्राम मुड़की अपनी बेटी को कन्या शिक्षा परिसर के छात्रावास लेने जा रहा था । मोटरसाइकिल पर उनके साथ उनका 9 वर्षीय पुत्र रुद्र सिंह भी सवार था। इसी दौरान दूसरी ओर से आ रही मोटरसाइकिल पर मनीष कुमार सोनवानी (35 वर्ष), पिता गोपाल दास, निवासी ग्राम इमलई अपनी मां रामकली सोनवानी (55 वर्ष) को लेकर डिंडौरी आ रहे थे।

जैसे ही दोनों वाहन रयपुरा स्कूल के पास पहुंचे, अचानक अनियंत्रित होकर दोनों मोटरसाइकिलें आमने–सामने टकरा गईं। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि चारों सवार सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी।सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को एंबुलेंस की मदद से जिला चिकित्सालय डिंडौरी पहुंचाया गया। अस्पताल में चिकित्सकों ने

सुदेश सिंह तेकाम को मृत घोषित कर दिया। वहीं मनीष सोनवानी की हालत गंभीर होने पर प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। रामकली सोनवानी और बालक रुद्र सिंह का इलाज जिला चिकित्सालय में जारी है। चिकित्सकों के अनुसार बालक रुद्र सिंह के पैर की हड्डी टूट गई है, जबकि रामकली सोनवानी को भी गंभीर चोटें आई हैं।घटना की सूचना मिलते ही मृतक व घायलों के परिजन बड़ी संख्या में जिला चिकित्सालय पहुंच गए, जहां माहौल गमगीन हो गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि प्रारंभिक जांच में दोनों वाहनों के तेज रफ्तार और अनियंत्रित होने की आशंका जताई जा रही है, मामले की विस्तृत जांच जारी है

स्वराज्य क्लब बिजौरी की वॉलीबॉल प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाया दम

डिंडौरी।

स्वराज्य क्लब बिजौरी द्वारा ग्राम पंचायत रामगढ़, विकासखंड अमरपुर के अंतर्गत बिजौरी माल स्कूल टोला में विगत दिवस ओपन एवं ग्रामीण वॉलीबॉल प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में क्षेत्र की टीमों ने उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन किया।ओपन वॉलीबॉल प्रतियोगिता में शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए स्पाइकर बिछिया टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। विजेता टीम को 12 हजार रुपये नकद एवं शील्ड प्रदान की गई। द्वितीय स्थान पर रही मुड़की टीम को 7 हजार रुपये नकद एवं शील्ड, जबकि तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली शहडोल टीम को 1500 रुपये नकद एवं शील्ड से सम्मानित किया गया। वहीं ग्रामीण वॉलीबॉल प्रतियोगिता में भाखा टीम ने प्रथम स्थान हासिल कर 6 हजार रुपये नकद एवं शील्ड प्राप्त की। द्वितीय स्थान पर रही बिजौरी सी टीम को 3 हजार रुपये नकद एवं शील्ड, तथा तृतीय स्थान पर रही बिजौरी ए टीम को 1 हजार रुपये नकद एवं शील्ड प्रदान की गई।पुरस्कार वितरण आयोजन समिति के अध्यक्ष के.एस. तेकाम, उपाध्यक्ष महिपाल पंद्रे, कोषाध्यक्ष सतीश यादव, सचिव टेकराम तेकाम, संरक्षक योगी सिंह तेकाम, ग्राम रोजगार सहायक सुनील ठाकुर, पत्रकार देव सिंह भारती, सतेंद्र ठाकुर, मनीष गायकवाड़ सहित अन्य अतिथियों द्वारा किया गया।प्रतियोगिता में उद्घोषक की भूमिका दीपक तिलगाम, सागर मरावी एवं रंजीत बघेल ने निभाई। ठंड के मौसम के बावजूद ग्राम एवं आसपास के गांवों से पहुंचे सैकड़ों खेलप्रेमी दर्शकों ने देर रात तक खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

फोर्टिफाइड खाद्य पदार्थों से एनीमिया की रोकथाम संभव

संतुलित आहार से ही संभव है संपूर्ण पोषण व स्वस्थ जीवन

डिंडौरी।

एनीमिया की रोकथाम एवं जनजागरूकता के उद्देश्य से कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया की अध्यक्षता में कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में फोर्टिफाइड खाद्य पदार्थों के उपयोग से एनीमिया से बचाव की जानकारी दी गई।कलेक्टर ने कहा कि आयोडीन एवं आयरन की कमी के कारण रक्त अल्पता की समस्या उत्पन्न होती है। शासन द्वारा उचित मूल्य की दुकानों के माध्यम से वितरित किए जा रहे फोर्टिफाइड चावल एवं डबल फोर्टिफाइड नमक का नियमित उपयोग कर एनीमिया से बचाव किया जा सकता है। यह खाद्य पदार्थ गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों के लिए विशेष रूप से लाभकारी हैं। उन्होंने इनसे जुड़ी भ्रांतियों को दूर कर इनके उपयोग को बढ़ावा देने की अपील की।कार्यशाला में जिला पंचायत सीईओ दिव्यांशु चौधरी, अपर कलेक्टर जेपी यादव, एसडीएम शहपुरा ऐश्वर्य वर्मा, एसडीएम डिंडौरी भारती मेरावी, एसडीएम बजाग रामबाबू देवांगन, डिप्टी कलेक्टर वैधनाथ वासनिक सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।कार्यशाला में बताया गया कि खून में हीमोग्लोबिन की कमी से शरीर के अंगों तक ऑक्सीजन की आपूर्ति बाधित होती है, जिससे शारीरिक एवं मानसिक समस्याएं उत्पन्न होती हैं। इसे एनीमिया कहा जाता है। इसके लक्षणों में कमजोरी, सांस फूलना, चक्कर आना, एकाग्रता में कमी, नाखूनों का टूटना, पीलापन, पलक के नीचे सफेदी, होंठों का फटना तथा पैरों में सूजन शामिल हैं। एनीमिया से बचाव के लिए आयरन से भरपूर खाद्य पदार्थों जैसे बाजरा, ज्वार, रागी, राजगीर, हरी पत्तेदार सब्जियां, पालक, मेथी, सरसों का साग, मुनगा, सहजन, अनार, खजूर, किशमिश, तिल, मूंगफली, सोयाबीन, दालें एवं अंकुरित अनाज के सेवन की सलाह दी गई। साथ ही आयरन के अवशोषण के लिए विटामिन-सी युक्त खाद्य पदार्थ जैसे नींबू, संतरा, अमरूद, आंवला, मिर्च एवं धनिया के उपयोग पर भी जोर दिया गया।न्यूट्रिशन विशेषज्ञ पवन मुदगल ने बताया कि फूड फोर्टिफिकेशन खाद्य पदार्थों में आवश्यक विटामिन एवं खनिज मिलाने की प्रक्रिया है, जिससे उनकी पोषण गुणवत्ता बढ़ती है। शासन द्वारा वितरित फोर्टिफाइड चावल में सामान्य चावल के साथ पोषक तत्वों से युक्त फोर्टिफाइड राइस कार्नेल्स मिलाए जाते हैं, जो पूरी तरह सुरक्षित एवं लाभकारी होते हैं। उन्होंने बताया कि डबल फोर्टिफाइड नमक में दिखाई देने वाले काले या भूरे कण आयरन के होते हैं, जो स्वास्थ्य के लिए उपयोगी हैं। इससे भोजन के रंग में हल्का बदलाव हो सकता है, जो आयरन की उपस्थिति का संकेत है। स्वाद या पोषण पर इसका कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ता।

समय-सीमा बैठक में कलेक्टर ने योजनाओं की प्रगति व विभागीय कार्यों की गहन समीक्षा की

डिंडौरी।

कलेक्टर ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक लेकर जिले में संचालित विभिन्न शासकीय योजनाओं, विकास कार्यों एवं जनहित से जुड़े प्रकरणों की विस्तारपूर्वक समीक्षा की। बैठक में सीईओ जिला पंचायत दिव्यांशु चौधरी, एसडीएम शहपुरा ऐश्वर्य वर्मा, एसडीएम डिंडौरी भारती मेरावी, एसडीएम बजाग रामबाबू देवांगन, डिप्टी कलेक्टर वैधनाथ वासनिक, डिप्टी कलेक्टर अक्षय डिगरसे सहित सभी विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।कलेक्टर ने समय-सीमा प्रकरणों एवं सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों की गहन समीक्षा करते हुए लंबित मामलों के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। इसी के साथ माह नवंबर 2025 में सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों को निराकरण करने में 85 प्रतिशत से अधिक निराकरण कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। जिससे प्रदेश में डिंडौरी छटवें नंबर के वेन्टेज स्कोर पर रहा। इस उपलब्धि पर जिला प्रशासन ने कार्यपालन यंत्री जल संसाधन विभाग एस.के.शर्मा, मुख्य नगर पालिका अधिकारी शहपुरा रीना राठौर, मुख्य नगर पालिका अधिकारी डिंडौरी अमित तिवारी, तहसीलदार भरत सिंह बट्टे, नायब तहसीलदार सुन्दर लाल यादव, नायब तहसीलदार तेजलाल धुर्वे, कनिष्ट अभियंता समनापुर श्रीकांत सिंडे, सीईओ जनपद पंचायत अमरपुर लोकेश कुमार नरनोरे, सीईओ जनपद पंचायत डिंडौरी प्रमोद कुमार ओझा, आबकारी उपनिरीक्षक सम्हर सिंह धुर्वे, सहायक प्रबंधक मनोज कुमार परते, अनुविभागीय अधिकारी लोक निर्माण विभाग रिषभ काकोड़िया, अग्रणी बैंक प्रबंधक रविशंकर, जिला परिवहन अधिकारी सुरेन्द्र सिंह गौतम, सहायक यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी श्रीकांत गुप्ता को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। समय-सीमा बैठक के दौरान संभागीय समन्वयक न्यूट्रीशियन इंटरनेशनल पवन मुगदल के द्वारा शासन के द्वारा वितरित किए जाने वाले खाद्य सामग्री में एनीमिया की पूर्ति हेतु उचित मूल्य की दुकान के माध्यम से दिए जाने वाले नमक, चावल खाद्य पदार्थों में न्यूट्रीशियन की अधिक मात्रा होती है जिससे सभी लोगों के लिए लाभदायक है। अपनी पीपीटी के माध्यम से विस्तृत चर्चा की। जिसपर कलेक्टर ने महिला एवं बाल विकास अधिकारी, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी और सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग को निर्देश दिए कि एनीमिया की कमी, एनीमिया लक्षण, एनीमिया की पूर्ति के उत्पाद, एनीमिया के बचाव को सभी स्कूल, छात्रावास, आश्रम, आंगनवाडी केन्द्रों में बैनर लगाने के निर्देश दिए ताकि छात्र-छात्राओं में एनीमिया के प्रति जागरूकता लाई जा सके। कलेक्टर ने पीएम जनमन योजना के अंतर्गत स्वीकृत एवं प्रगतिरत कार्यों की जानकारी लेते हुए पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचाने पर विशेष जोर दिया।बैठक में स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत स्वच्छता की स्थिति, शासकीय एवं निजी स्कूलों में शौचालयों की नियमित साफ-सफाई, नगरीय क्षेत्रों में चल रहे विभिन्न निर्माण कार्यों की स्वीकृति, आवंटन एवं प्रगति की समीक्षा की गई। इसके साथ ही जिले में धान तथा कोदो-कुटकी उपार्जन की स्थिति, उपार्जन केंद्रों की व्यवस्थाएं एवं नरवाई प्रबंधन की कार्यवाही पर भी चर्चा की गई।कलेक्टर ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं की भर्ती प्रक्रिया, परख एप्लीकेशन के माध्यम से कर्मचारियों की उपस्थिति, स्वरोजगार योजनाओं की प्रगति की सूची की जानकारी ली। साथ ही छात्रावासों एवं आश्रमों में रह रहे विद्यार्थियों के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं, भोजन, आवास एवं सुरक्षा संबंधी बिंदुओं पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।कलेक्टर ने राजस्व अधिकारियों को बटवारा, सीमांकन, नामांतरण, फौतीनामा, राजस्व वसूली, ईकेवायसी सहित अन्य कार्यों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कृषि विभाग, मत्स्य विभाग, सहकारिता, एनआरएलएम, खाद्य विभाग, आत्मा, स्वच्छ भारत मिशन, स्वास्थ्य विभाग, महिला बाल विकास विभाग को अपनी विभागीय योजनाओं की प्रगति एवं विकास कार्यों में विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने उद्योग प्रबंधक अधिकारी को जिले में 2 वर्ष से संचालित उद्योग, उत्पादक इकाईयां, उद्यम क्रांति योजना की सूची तैयार कर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। ताकि सफल इकाईयां का मीडिया, विशेषज्ञ, अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों के साथ विजिट कर सफल इकाईयों की रिपोर्ट को शासन को प्रस्तुत की जाएगी। कलेक्टर ने समस्त अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि आगामी शनिवार 27 दिसंबर 2025 को होने वाले जनकल्याणकारी स्वास्थ्य एवं स्वरोजगार शिविर का आयोजन अमरपुर विकासखंड में किया जाएगा। कलेक्टर ने ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में निवासरत आमजन को स्वास्थ्य एवं स्वरोजगार शिविर में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर शासकीय योजनाओं का लाभ उठाने हेतु शामिल होने की अपील की है।बैठक में दुग्ध डेयरी, मुर्गी पालन, बकरी पालन जैसी आजीविका आधारित गतिविधियों, सांदीपनि विद्यालय भवन निर्माण, निर्माणाधीन आंगनबाड़ी केंद्र भवनों की प्रगति की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर प्रभावी नियंत्रण के लिए सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए।इसके अलावा जिले की यातायात व्यवस्था, शासकीय योजनाओं एवं गतिविधियों की प्रगति की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने सभी विभागीय अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने, शासन की मंशा के अनुरूप योजनाओं का क्रियान्वयन सुनिश्चित करने तथा आम नागरिकों से जुड़े मामलों में संवेदनशीलता के साथ त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

वन परिक्षेत्र उत्तर समनापुर में "हम हैं धरती के दूत" थीम के साथ आयोजित हुआ अनुभूति कार्यक्रम

डिंडौरी

वनमंडल के उत्तर समनापुर परिक्षेत्र में स्थित सुरम्य स्थल चकराघाट हल्दीकरेली में अनुभूति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य प्रकृति से जुड़ाव बढ़ाना और बच्चों में पर्यावरण संरक्षण की चेतना को प्रबल करना था। "हम हैं धरती के दूत" थीम के साथ यह कार्यक्रम न केवल पर्यावरण के प्रति जागरूकता का संदेश देता है, बल्कि बच्चों को प्रकृति के साथ सामंजस्य बिठाने के लिए प्रेरित करता है। कार्यक्रम के थीम के अनुसार जंगल एवं पर्यावरण के लिए कार्य करने वाले महान व्यक्तित्वों की जानकारी कार्यक्रम में दी गई।

बच्चों को प्रकृति पथ भ्रमण और पक्षी दर्शन के माध्यम से पर्यावरण के जीवंत स्वरूप से परिचित कराया गया। घान के भूसे का मंच आर्कषण का केंद्र रहा, प्राकृतिक अनुभव ने उन्हें प्रकृति के जटिल लेकिन सुंदर संतुलन को समझने का मौका दिया।कार्यक्रम में बच्चों को प्लास्टिक रहित जीवन शैली अपनाने और कपड़े के बैग का उपयोग करने का संदेश दिया गया। इसके अलावा, बच्चों को पर्यावरण-अनुकूल उत्पाद, जैसे कागज के पेन और बांस के उत्पाद, पुरस्कार स्वरूप प्रदान किए गए।

कार्यक्रम के दौरान बच्चों और अन्य प्रतिभागियों ने वनों के पारंपरिक उत्पादों की किट जो कि मध्यप्रदेश लघुवनोपज संघ भोपाल द्वारा दी गई किट का स्वाद चखा। जिसमें आंवला कैडी,शहद और औषधीय चूर्ण सम्मिलित रहा,यह अनुभव वन संपदा और उसके महत्व को समझने का अवसर प्रदान करता है।

कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य हेमवती राजपूत जनपद अध्यक्ष पवंती कुसराम समनापुर , समनापुर सहित अन्य जनप्रतिनिधियों और थाना प्रभारी समनापुर एच एस तिवारी एवं अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

संदीपनी विद्यालय में यातायात जागरूकता अभियान

न्यूज । सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने एवं नागरिकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से संदीपनी विद्यालय मोहतरा, थाना करंजिया में एक भव्य यातायात जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के लगभग 500 से 600 छात्र-छात्राओं सहित शिक्षकगण उत्साहपूर्वक उपस्थित रहे।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए थाना प्रभारी यातायात सुभाष उइके ने विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने उदाहरणों के माध्यम से समझाया कि दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट तथा चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट का प्रयोग किस प्रकार दुर्घटना की स्थिति में जीवन रक्षा करता है।

इसके साथ ही यातायात संकेत चिन्हों, साइन बोर्डों एवं उनके अर्थों की विस्तार से जानकारी देकर विद्यार्थियों को नियमों के पालन के लिए प्रेरित किया। जागरूकता अभियान के अंतर्गत नेशनल हाईवे-45 का भ्रमण कर सड़क सुरक्षा से संबंधित कमियों की पहचान की गई।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

10

जबलपुर, मंगलवार 23 दिसंबर 2025

login : www.haribhoomi.com

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

मेले में पत्तों के दोना- पत्तल का हो उपयोग: कलेक्टर

विभागीय प्रदर्शनी लगाकर शासन की योजनाओं का प्रचार- प्रसार करें

कलेक्टर ने समय सीमा की बैठक में दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

सोमवार को कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने बरमान मेले से जुड़ी विभिन्न तैयारियों के संबंध में विस्तार से समीक्षा की और अधिकारियों से फीडबैक लिया। उन्होंने कहा कि मेले से जुड़ी सभी तैयारियां समय सीमा में पूर्ण कर ली जावे। जो दायित्व सौंपे गए हैं उन दायित्वों का भलीभांति पालन किया जावे। मेले के दौरान जिले और आसपास जिलों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं। इस दौरान उनके द्वारा भंडारा का भी आयोजन किया जाता है। भंडारे के दौरान प्लास्टिक युक्त डिस्पोजल एवं प्लेट का उपयोग के स्थान पर किया जाता है। इसके स्थान पर प्राकृतिक दोना-पत्तल का उपयोग किया जाए। इसका व्यापक प्रचार- प्रसार भी किया जाए। इसके अलावा जैविक उत्पादों का भी स्टॉल लगाया जाए, जिससे ज्यादा से ज्यादा नागरिकों तक जैविक उत्पादों की पहुंच सुनिश्चित की जा सके। उक्ताशय के निर्देश कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय सीमा की बैठक में दिए। बैठक में सीईओ जिला पंचायत गजेन्द्र सिंह नागेश, एसडीएम और विभिन्न विभागों के जिला प्रमुख मौजूद थे।

कागज एवं कपड़े के थैले का हो उपयोग

बैठक में कलेक्टर श्रीमती सिंह ने कहा कि मेले के दौरान सिंगल यूज़ पॉलीटिन के स्थान पर कागज एवं कपड़े के थैले का उपयोग किया जाए। नर्मदा नदी स्थित बरमानखुर्द एवं बरमानकलां के घाटों व मंदिरों की साफ-सफाई, रंगाई- पुताई और मंदिरों व घाटों को सजाया जाए। ठंड को देखते हुए मेला स्थल पर वन विभाग द्वारा अलाव की व्यवस्था की जाए। कलेक्टर ने कहा कि मेले के दौरान आने वाले बड़े झूलों में सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता रहे, जिससे कोई घटना घटित न हो। मेले के दौरान डॉक्टर्स, दवाईयों व एम्बुलेंस की व्यवस्था पुख्ता रखी जाए। समय सीमा की बैठक में कलेक्टर ने समय- सीमा पत्रों की समीक्षा कर निर्धारित समय पर पत्रों का निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों से कहा कि सभी शिकायतों का संतुष्टि पूर्वक एवं समय सीमा में निराकरण किया जाए। इसके अलावा कलेक्टर ने श्रम विभाग के तहत संबल योजना, भू- अर्जन, वन ग्राम और लंबित पेंशन प्रकरणों की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए।

मेले के दौरान दुरूस्त रहे व्यवस्थाएं

बैठक में कलेक्टर ने मेला स्थल पर रास्ता निर्माण एवं मरम्मत कार्य, वाहन स्टैंड एवं पार्किंग व्यवस्था, मेला स्थल पर दुकान आवंटन लेआउट, मेला दुकान के लिए जमीन की दरें, विद्युत व्यवस्था, शौचालय एवं साफ-सफाई व्यवस्था, पेयजल व्यवस्था, टेंकर व्यवस्था, मेला स्थल पर बांस- बल्ली आदि व्यवस्था, कंट्रोल रूम, दूर संचार एवं सार्वजनिक ध्वनि विस्तारक व्यवस्था, घाट सुरक्षा, तैराक दल व मोटर वोट, अस्थाई थाना निर्माण एवं पुलिस कंट्रोल रूम, अग्नि शमन व्यवस्था, कानून व्यवस्था, अवैध बसों का संचालन तथा अवैध वसूली पर रोक, चिकित्सा व्यवस्था, प्रदर्शनी, सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन, मेला आमंत्रण पत्र आदि मेला संबंधी व्यवस्थाओं के संबंध में समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

दीवारों पर बनाए आकर्षक चित्र

बरमान मेले को दृष्टिगत रखते हुए 31 दिसम्बर तक घाटों, शासकीय दीवारों तथा अन्य स्थानों पर आकर्षक चित्र बनाए जाएंगे। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी मकर संक्रांति पर्व पर नर्मदा नदी किनारे स्थित बरमान के रेत घाट में लगने वाले प्रसिद्ध बरमान मेले में जिले सहित आसपास जिलों और प्रदेश के बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं। इसके अलावा बरमान मेले में तीर्थ यात्री और परिक्रमावासी भी आते हैं। परंपरा, मान्यताओं तथा गरिमा के अनुरूप बरमान मेले को दृष्टिगत रखते हुए घाटों, शासकीय दीवारों तथा अन्य उपलब्ध स्थान पर आकर्षक चित्र बनाए जाएंगे। इसके लिए कलाकारों को सम्मिलित होने के लिए आमंत्रित किया जा रहा है। चित्रकला के माध्यम से संस्कृति और पर्यटन को प्रोत्साहित करना भी इसका उद्देश्य है। यह चित्रकला 31 दिसम्बर तक आयोजित की जाएगी। जिले के विभिन्न विद्यालयों एवं महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं को भी इसमें शामिल किया गया है।

नगरीय निकाय की सामान्य बैठक सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

सोमवार को नगरीय निकाय की सामान्य बैठक नगर पालिका परिषद के हॉल में सम्पन्न हुई। बैठक में नगर पालिका अध्यक्ष नीरज दुबे, पार्षदगण, मुख्य नगरपालिका अधिकारी नीलम चौहान और नगरीय निकाय नरसिंहपुर के अधिकारी- कर्मचारी मौजूद थे। मुख्य नगर पालिका अधिकारी नरसिंहपुर ने बताया कि सम्मेलन- बैठक में निकाय को प्राप्त नामांतरण प्रकरणों, श्री गहोई वैश्य समाज के द्वारा एकांत पार्क में राष्ट्रकवि स्व. श्री मैथिलीशरण गुप्त प्रतिमा व साहित्यिक पुस्तकालय स्थापना को सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की गयी। हॉकी टर्फ निर्माण के लिए भूमि आवंटन किये जाने के लिए स्वीकृति प्रदान की गयी। चुंगी क्षतिपूर्ति की राशि में किसी भी प्रकार की कटौती नहीं किए जाने के संबंध में स्वीकृति प्रदान करने के उद्देश्य से शासन को पत्र भेजने की सहमति दी गई। मुख्य नगरपालिका अधिकारी ने निकाय कर्मचारियों की बकाया वेतन की वास्तविक स्थिति से सदस्यों को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि निकाय में कार्यरत दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों का माह नवम्बर 2025 एक माह का वेतन और निकाय के नियमित व स्थायी कर्मचारियों को माह सितम्बर 2025 से नवंबर 2025 तक कुल 3 माह का वेतन बकाया है। इन कर्मचारियों के भुगतान के लिए निकाय अपने स्तर पर कर वसूली अभियान चलाकर जल्द से जल्द वेतन का भुगतान कर दिया जाएगा। इस संबंध में शहर के बड़े वकायादारों जिनके संपत्तिकर, जलकर व अन्य कर बकाया है, उन्हें जल्द से जल्द अपना वकाया कर जमा करने अन्यथा नियमानुसार ऐसे बकायादारों की सूची होर्डिंग के माध्यम से सार्वजनिक की जावेगी। इसी प्रकार अवैध नल कनेक्शन धारियों को भी 15 दिवस के अंदर अपने आवश्यक दस्तावेजों के साथ निकाय में उपस्थित होकर नल कनेक्शन वैध कराएं अन्यथा नल कनेक्शन काटने की कार्यवाही की जाएगी। निकाय के ऐसे कर्मचारी जो कार्य में लापरवाही बरतते हैं, उनके विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जावेगी। ऐसे आवासीय भवन जिनका उपयोग व्यवसायिक रूप में किया जा रहा है, उनसे व्यवसायिक कर संग्रहण किया जावेगा। बाजार वसूली, साईकिल स्टेण्ड वसूली, बस स्टेण्ड वसूली एवं अस्थायी वसूली को तीन माह के लिए ठेके पर देकर निकाय की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाये जाने के लिए उपस्थित पार्षदों द्वारा अपने- अपने सुझाव प्रस्तुत किये। साथ ही पार्षदों की 9 सदस्यों की कमेटी गठित की गई, जो इन विषयों पर निरंतर निगरानी रख कर आगामी परिषद बैठक में अपनी जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी।

व्याख्यानमाला का हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर। गत दिवस प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस स्वामी विवेकानंद शास्त्री स्नातकोत्तर महाविद्यालय में गणित विभाग द्वारा श्रीनिवास रामानुजन की जयंती पर व्याख्यान माला के साथ विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजीव किशोर श्रीवास्तव प्राचार्य डाइट ने श्रीनिवास रामानुजन को याद करते हुए उनके गणित विषय के योगदान पर चर्चा की साथ ही उन्होंने जीवन में गणित की भूमिका क्या है, अपना वक्तव्य दिया। अपने उद्बोधन में कहा कि गणित के द्वारा हम अपना लक्ष्य प्राप्त कर जीवन को सरल और आसान बना सकते हैं। श्रीमती निशा सोनी ने गणित का व्यवहारिक महत्व को बतलाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विभागाध्यक्ष गणित डॉ गनेश कुमार सोनी ने कहा कि गणितीय विचार सिर्फ गणना करने तक सीमित नहीं है यह तार्किक और संरचित तरीके से समझने और समस्याओं को रचनात्मक रूप से हल करने का एक शक्तिशाली तरीका है। उन्होंने भारतीय ज्ञान परंपरा में वैदिक गणित के इतिहास को बताते हुए कहा कि गणित जीवन में धैर्य, लगन आत्मविश्वास, अनुशासन जैसे गुणों को विकसित करता है। विभाग के ही डॉ गगन कुमार ताम्रकार ने श्रीनिवास रामानुजन के गणित विषय में योगदान और उनके गणितीय यात्रा पर विस्तृत प्रकाश डाला। इस अवसर पर रामानुजन के जादुई अंक,वैदिक गणित और तार्किक प्रश्नों के माध्यम से प्रश्न मंच कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया जिसमें विभिन्न प्रतिभागी विद्यार्थियों को पुरस्कृत कर प्रमाण पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम का सफल संचालन पी जी के विद्यार्थी अर्पित शर्मा और एकता शर्मा ने किया। इस अवसर इंजीनियर के के सोनी, प्रोफेसर महेंद्र मेहर, डॉ नमिता साहू, डॉ देवमित्रा राय, डॉ अर्जुन मेहरा, खुशबू भारद्वाज, हेमा पटेल, महक भारद्वाज, भारती पटेल, मानसी नेमा, श्वेता डेहरिया, आदित्य पटेल, गोमती आदि का सहयोग रहा और बड़ी संख्या में विद्यार्थी एवं प्राध्यापक उपस्थित रहे।

विश्व ध्यान दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। विश्व ध्यान दिवस पर आयुक्त लोकशिक्षण संचालनालय भोपाल के आदेश के परिपालन में एवं जिला शिक्षा अधिकारी के निर्देशानुसार विश्व ध्यान दिवस के अवसर पर शासकीय कृषि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बरहटा में एक विशेष ध्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम श्री रामचंद्र मिशन हार्टफुलनेस एवं भारतीय योग संघ द्वारा आयोजित किया गया, जिसका लाइव प्रसारण यूट्यूब प्लेटफॉर्म पर किया गया। यह कार्यक्रम विद्यालय के प्राचार्य एस. के. बक्शी के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। विद्यालय के छात्रावास में निवासरत विद्यार्थियों ने यूट्यूब के माध्यम से प्रसारित लाइव सत्र को देखा एवं बताए गए ध्यान के महत्व, मानसिक शांति, एकाग्रता एवं जीवन में ध्यान की उपयोगिता को समझते हुए ध्यान अभ्यास किया। कार्यक्रम के दौरान अतिथि शिक्षक स्वप्नेश अड़कने, विकास कुमार गुप्ता एवं प्रशांत नामदेव की उपस्थिति रही, जिन्होंने विद्यार्थियों को व्यवस्थित रूप से कार्यक्रम से जोड़ने एवं अनुशासन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसी प्रकार बालिका छात्रावास में भी छात्राओं द्वारा समस्त स्टाफ की उपस्थिति में यूट्यूब लाइव प्रसारण देखा गया तथा ध्यान किया गया। छात्राओं ने भी ध्यान के लाभों को जाना और इसे अपने दैनिक जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। विद्यालय में विश्व ध्यान दिवस के अवसर पर किया गया यह प्रसारण-आधारित ध्यान कार्यक्रम विद्यार्थियों के मानसिक एवं भावनात्मक विकास की दिशा में एक सार्थक प्रयास सिद्ध हुआ।

राजस्व अधिकारियों की मनमानी और त्रुटिपूर्ण आदेश के खिलाफ कलेक्टर से शिकायत

गोटेगांव तहसील के अंतर्गत राजस्व विभाग के अधिकारियों द्वारा भूमि रिकॉर्ड में की गई कथित हेराफेरी और मनमाने आदेशों का एक गंभीर मामला सामने आया है। रिपटा मोहल्ला निवासी कृष्ण कुमार नामदेव ने कलेक्टर को सौंपे शिकायती पत्र में अनुविभागीय अधिकारी (एसडीओ) और तहसीलदार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। मामला ग्राम छोटा छिंदवाड़ा स्थित खसरा नंबर 94/3 की शामलाती जमीन के बंटवारे और उसके बाद हुए गलत नामांतरण से जुड़ा हुआ है।शिकायत के अनुसार, आवेदक के भाई स्वर्गीय प्रेमनारायण के हिस्से में खसरा नंबर 94/3 का कुल 0.312 हेक्टेयर रकबा आया था, जिसे उन्होंने पूरी तरह प्लॉट बनाकर विक्रय कर दिया था।

प्रेमनारायण की मृत्यु के बाद उनके पुत्रों ने फौती नामांतरण के दौरान तहसीलदार से सांठगांठ कर उक्त रकबे को 0.312 के स्थान पर 0.461 हेक्टेयर दर्ज करा लिया। हद तो तब हो गई जब पटवारी ने राजस्व रिकॉर्ड में सुधार करते समय इस रकबे को और बढ़ाकर 0.586 हेक्टेयर दर्ज कर दिया। इस त्रुटिपूर्ण आदेश के खिलाफ जब एसडीओ न्यायालय में अपील की गई, तो वहां भी 11 माह तक मामला लंबित रखने के बाद तहसीलदार के आदेश को ही यथावत रखा गया, जबकि आवेदक ने सभी रजिस्ट्रियों और नामांतरण की सूची साक्ष्य के रूप में प्रस्तुत की थी।आवेदक कृष्ण कुमार का आरोप है कि इस मामले में पटवारी से लेकर उच्च राजस्व अधिकारियों तक की कार्यप्रणाली संदेहास्पद रही है। हालांकि कलेक्टर ने पूर्व में संज्ञान लेते हुए अपर कलेक्टर को जांच सौंपी थी, लेकिन तहसील कार्यालय से फाइल आगे न बढ़ने के कारण प्रकरण आज भी लंबित है। पीड़ित ने मुख्यमंत्री और राजस्व मंत्री को भी प्रतिलिपि भेजकर न्याय की गुहार लगाई है और चेतावनी दी है कि ऐसे त्रुटिपूर्ण आदेशों से आम जनता का राजस्व न्यायालयों से विश्वास उठता जा रहा है।

उत्कृष्ट विद्यालय ने बनाया फाइनल में अपना स्थान

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। उच्च शिक्षा विभाग म.प्र. शासन भोपाल एवं रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर की खेलो इंडिया अवधारणा की दिशा में जिले के युवा शक्ति के खेल प्रोत्साहन हेतु एम.आई.एम.टी. कॉलेज नरसिंहपुर द्वारा 'आरोहण' इंटर स्कूल क्रिकेट चैम्पियनशिप 2025 का आयोजन किया जा रहा है। पहला सेमी फाइनल सोमवार दिनांक 22 दिसम्बर 2025 दोप. 2:00 बजे से एस.एन.पी.एस. नरसिंहपुर एवं उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर के मध्य खेला गया। मैच का शुभारम्भ प्रभात मिश्रा प्राचार्य सांदीपनि विद्यालय नरसिंहपुर के मुख्य आतिथ्य, इंजी रुद्रेश तिवारी चेयरमैन एम.आई.एम.टी. कॉलेज की अध्यक्षता, देवेश वैद्य वरिष्ट खेल शिक्षक, अरविन्द दुबे संचालक महाकौशल स्कूल, पत्रकार गोविन्द दुबे, संतोष दुबे, संतोष दुबे, प्रभात उदेनिया, शैलेन्द्र तिवारी तथा डॉ. अशोक कुमार गर्ग प्राचार्य एम.आई.एम.टी. कॉलेज की उपस्थिति में किया गया। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार मेजर डॉ. पराग नेमा द्वारा किया गया। .मैच में एस.एन.पी.एस की टीम ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला लिया एवं निर्धारित 12 ओवर में 153 रन बनाये। 154 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर की टीम ने 11 वें ओवर में 04 विकेट खोकर 154 रन बनाकर जीत हासिल कर 'आरोहण' इंटर स्कूल क्रिकेट चैम्पियनशिप 2025 के फाइनल में अपना स्थान सुरक्षित कर लिया। टीम की ओर से हरीश जाटव ने 24 गेंद में 62 रन की नाबाद पारी खेलनें पर उन्हे मैन ऑफ द मैच के खिताब से नवाजा गया। इसके पूर्व मुख्य अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। सरस्वती पूजन से मैच का प्रारम्भ किया गया। एम्पायर की भूमिका का निर्वाहन तेग बहादुर, मो. एजाज खान सहित थर्ड एम्पायर तथा मैच रेफरी की भूमिका में करीम खान रहे। स्कोरर अथर्व नेमा तथा रीतेश चौधरी द्वारा योगदान दिया गया। वही कामेट्रेटर की भूमिका में प्रभात ठाकुर, प्रमोद नेमा, विनोद महोबिया द्वारा रोचक कामेंट्री की गई। उक्त अवसर पर संजय नेमा संचालक एस.एन.पी.एस. स्कूल, वरिष्ट नागरिक विनोद जाट, पंकज सागर, ठा. आकाश सिंह, मुकेश नेमा, विजय पटेल, प्रशांत पाण्डे, विनोद महोबिया, प्रमेश कौरव, राजकुमार लोधी एवं दोनों ही टीम के कोच, मैनेजर रोहित विश्वकर्मा, राजेश चैधरी, रोहित पटेल सहित बड़ी संख्या में दर्शकों की उपस्थिति रहीं। आरोहण इंटर स्कूल क्रिकेट चैम्पियनशिप 2025 का दूसरा सेमी फाइनल मंगलवार आज दिनांक 23 दिसंबर 2025 दोप. 2:00 बजे से एन.पी.एस. उ.मा. विद्यालय नरसिंहपुर एवं शासकीय नेहरू उ.मा. विद्यालय नरसिंहपुर के मध्य खेला जायेगा। आयोजन समिति के सदस्य लेफ्टि. जितेन्द्र कुमार मिश्रा, प्रसून नेमा, हेमराज सेन, विवेक जोशी, पवन कुशवाहा एवं शिव कुमार मेहरा ने सभी खेल प्रेमियों से उपस्थिति की अपील की है।

ज्ञान शील एकता ध्येय लेकर कार्य कर रहा विद्यार्थी परिषद

तेंदूखेड़ा भगवान बिरसा मुंडा की 150 भी जन्म जयंती शताब्दी वर्ष के उपलक्ष में विद्या भारती महाकौशल प्रांत के द्वारा पूरे प्रांत में सामान्य ज्ञान परीक्षा आयोजित की गई थी।जिसमें जिले में लगभग 4000 छात्रों के द्वारा भाग लिया गया। जिनमें 360 छात्र-छात्राएं तेंदूखेड़ा तहसील के विभिन्न स्कूलों के सम्मिलित हुए।गत दिवस तहसील स्तरीय पुरस्कार वितरण किए गए। सरस्वती पूजन एवं सरस्वती वंदना के साथ से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ ।इस मौके पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के जिला संगठन मंत्री प्रिंस तिवारी मुख्य वक्ता संदीप मुसकरेया स्वदेशी जागरण मंच से नीलेश खरे गीता साहू सीमा जैन दीपक चढ़ार अभिषेक ठाकुर एवं विद्यार्थी परिषद तेंदूखेड़ा से आदर्श जाटव सूरज जाटव उपस्थित रहे। मुख्य वक्ता ने विद्यार्थी परिषद के बारे में बताते हुए कहा कि है भारत का सबसे बड़ा राष्ट्रवादी छात्र संगठन है जिसकी स्थापना 1949 में हुई जो की मुख्य रूप से राष्ट्रीय पुनरुत्थान छात्र कल्याण एवं चरित्र निर्माण की विषय को लेकर छात्रों के बीच में कार्य कर रहा है। इस संगठन में मूल रूप से छात्र शिक्षक ही होते हैं विद्यार्थी परिषद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की एक अनुसांगिक संगठन के रूप में कार्य करता है। जिला संगठन मंत्री ने कहा कि परीक्षा कोई भी हो सामान्य नहीं होती परीक्षा के माध्यम से व्यक्तित्व निखरता है ज्ञान बढ़ता विद्यार्थी परिषद ज्ञानशील और एकता के ध्येय वाक्य को लेकर कार्य कर रहा है। इस सामान्य ज्ञान परीक्षा में प्रथम स्थान साहिल खान द्वितीय स्थान प्रिंस श्रीवास्तव तृतीय स्थान मीनाक्षी काशी के द्वारा प्राप्त किया गया सभी को विद्यार्थी परिषद के द्वारा पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। जिला स्तरीय जो परीक्षा आयोजित हुई थी उसमें भी तेंदूखेड़ा की कृष्णकांत पटेल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया था संगठन की ओर से सभी प्रतिभागियों के लिए प्रमाण पत्र प्रदान किए गए ।

वात्सल्य भारती माता जी के प्रथम डोभी आगमन पर जोरदार स्वागत

तेंदूखेड़ा

विगत बारह वर्ष पूर्व आचार्य श्री 108 विशद सागर महाराज जी से प्रेरणा लेकर अपने गृहस्थ जीवन से वैराग्य लेकर पूज्य माता जी बनीं डोभी नगर की गौरव 105 श्री वात्सल्य भारती माताजी के प्रथम बार डोभी नगर आगमन पर समस्त धर्मों के लोगों द्वारा पूज्य माता जी की जोरदार आगवानी की गई। दिगम्बर जैन समाज के साथ साथ डोभी नगर के सभी वर्गों के लोगों में भारी उत्साह का वातावरण देखने को मिला।माता जी की आगवानी के लिए हर गली में लोगों द्वारा विशेष तैयारी की गई थी।

माननीय गोटेगाँव विधायक श्री महेंद्र नागेश जी पंचकोशी परिक्रमा में हुए सम्मिलित

गोटेगाँव

माननीय गोटेगाँव विधायक श्री महेंद्र नागेश जी मुआरघाट से प्रारंभ हुई पंचकोशी परिक्रमा में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर उन्होंने श्रद्धालुओं के साथ पैदल परिक्रमा कर धर्म, आस्था एवं सनातन परंपरा के इस पावन आयोजन में सहभागिता की।पंचकोशी परिक्रमा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही। विधायक जी ने श्रद्धालुओं से भेंट कर उनका हालचाल जाना तथा सफल एवं शांतिपूर्ण आयोजन के लिए आयोजकों एवं प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

नहीं रहे सत्यनारायण अवस्थी

तेंदूखेड़ा नगर के प्रतिष्ठित अवस्थी परिवार के रिटायर्ड शिक्षक एवं वरिष्ठ पत्रकार सत्येन्द्र अवस्थी के पूज्य पिता सत्यनारायण अवस्थी का निधन हो जाने पर नगर के सभी वर्गों के लोगों ने पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए अंतिम विदाई दी।अवस्थी जी पं रामगोपाल राजेन्द्र अवस्थी के परिजन थे।

निखिल राष्ट्रीय मंत्री नियुक्त

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।
भारतीय सिंधु सभा, युवा शाखा द्वारा संगठनात्मक विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण के अंतर्गत इंजी. निखिल धामेचा को राष्ट्रीय मंत्री के पद पर नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति संगठन की केंद्रीय इकाई द्वारा भारतीय सिंधु सभा के राष्ट्रीय संरक्षक एवं अनुभवी मार्गदर्शक भगवानदास समनानी, राष्ट्रीय अध्यक्ष दादा भगतराम छाबड़ा, कार्यकारी अध्यक्ष राजेश बाधवानी, राष्ट्रीय संगठन मंत्री कमलेश उदासानी, युवा शाखा के राष्ट्रीय अध्यक्ष निखिल मेठिया एवं राष्ट्रीय महामंत्री मनीष मलानी के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में संगठन निरंतर समाज सेवा, सांस्कृतिक संरक्षण एवं युवा सशक्तिकरण के कार्यों को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से की गई। उनकी इस नियुक्ति पर शुभचिंतकों द्वारा बधाई प्रेषित की।

आम सूचना

शपथकर्ता मै श्रीमति अनुराधा पटैल उम व्यस्क साल पत्नी स्व. श्री प्रमोद कुमार गुजर जाति-गुजर, निवासी ग्राम मिलाड़िया, तहसील-सोहागपुर, जिला-नर्मदापुरम (म.प्र.) आ.का.नं 397284240616 निम्नलिखित कथन शपथ पूर्वक करती हूं कि-1. मेरे पति स्व. श्री प्रमोद कुमार गुजर आ. श्री दीन दयाल गुजर ग्राम देवरी डोरी तहसील - नरसिंहपुर, जिला नरसिंहपुर (म.प्र.) के स्वामित्व एवं मालिकाना हक का एक वाहन रायल ईन फील्ड जिसका रजि.नं. MP49-ZA-4135, चेसिस नं ME3J3C5FHN2003471, इंजिन नं. J3A5FHN2689042 कम्पनी रायल इन फील्ड कं. लि. रंग BLACK मॉडल - 2022 है जोकि आर टी ओ आफिस नरसिंहपुर में प्रमोद कुमार गूजर के नाम से दर्ज है। 2. मेरे पति स्व. श्री प्रमोद कुमार गूजर की कोई संतान नहीं होने के कारण उक्त वाहन पैरा नं. 1 में वर्णित उक्त वाहन को अब मैं अपने नाम श्रीमति अनुराधा पटैल उम व्यस्क साल पत्नी स्व. श्री प्रमोद कुमार गुजर जाति-गुजर, निवासी ग्राम मिलाडिया, तहसील-सोहागपुर, जिला-नर्मदापुरम (म.प्र.) आ.का.न. 397284240616 पर आर. टी. ओ. नरसिंहपुर करवाना चाहती हूँ । 3. उपरोक्त वाहन की संपूर्ण जबाबदारी जैसे पुलिस प्रकरण क्लेम एक्सीडेन्ट आदि की जबाबदारी दिनांक 21.12.2025 के पूर्व की एवं बाद की मेरी स्वंय की ही होगी । एवं वाहन की संपूर्ण जबाबदारी जैसे पुलिस प्रकरण, क्लेम, एक्सीडेन्ट आदि की जबाबदारी दिनांक 21.12.2025 के बाद मेरी स्वयं की होगी। 4. उक्त वाहन में अपने स्वयं के नाम पर स्वयं के व्यय से कार्यालय सहायक क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी नरसिंहपुर में ट्रांसफर करवाने हेतु यह शपथ पत्र प्रस्तुत है। 5. उक्त वाहन मुझ शपथकर्ता के नाम पर ट्रांसफर करवाने के लिए यह शपथ पत्र मैं स्वयं तैयार कराकर आर. टी. ओ. कार्यालय नरसिंहपुर के समक्ष प्रस्तुत है। DF 592525 DF 592525 शपथकर्ता